Literacy for a Billion

Movie: Love Marriage
Year: 1959

Song: Kahe Zoom Zoom
Lyricist: Shailendra

कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
पिया हौले से छेड़ो दोबारा
वही कल की रसीली कहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
पिया हौले से छेड़ो दोबारा
वही कल की रसीली कहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी

सुनके जिसे दिल मेरा धड़का
सुनके जिसे दिल मेरा धड़का
लाज के सर से आँचल सरका
रात ने ऐसा जादू फेरा
और ही निकला रंग सहर का
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
पिया हौले से छेड़ो दोबारा
वही कल की रसीली कहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी

मस्ती भरी ये ख़ामोशी
मस्ती भरी ये ख़ामोशी
चुप हूँ खड़ी देखो मैं खोई सी
देख रही हूँ मैं इक सपना
कुछ जागी सी कुछ सोई सी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
पिया हौले से छेड़ो दोबारा
वही कल की रसीली कहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी

तन भी तुम्हारा मन भी तुम्हारा
तन भी तुम्हारा मन भी तुम्हारा
तुमसे ही बालम जग उजियारा
रोम रोम मेरा आज मनाए
छूटे कभी ना साथ हमारा
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी
पिया हौले से छेड़ो दोबारा
वही कल की रसीली कहानी
कहे झूम झूम
रात ये सुहानी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.